



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 18 मई, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

- विषय:** (i) दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज, 18 मई 2026 को दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश हिस्सों, पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ गया है।
- (ii) इस सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बने रहने की संभावना है।
- (iii) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; तथा अगले 3 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):**

- ❖ दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून आज, 18 मई 2026 को, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश हिस्सों, पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ गया है।
- ❖ मॉनसून की उत्तरी सीमा अब 6°N/70°E, 6°N/75°E, 7°N/80°E, 9°N/85°E, 12°N/90°E, 14°N/93°E, 16°N/96°E और 17.5°N/98°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 3-4 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के शेष हिस्सों और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए स्थितियाँ अनुकूल हैं।
- ❖ दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून के 26 मई को केरल में दस्तक देने की संभावना है, जिसमें मॉडल त्रुटि  $\pm 4$  दिनों की हो सकती है।

**आज, 18 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, कोंकण, तमिलनाडु, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और केरल में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर 90-140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तूफानी हवाएं चलीं। अंडमान द्वीप समूह, ओडिशा, असम, मेघालय, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 50-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आई और पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, बिहार, उत्तराखंड, पूर्वी

मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आई।

❖ विदर्भ के कुछ इलाकों और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ छिटपुट स्थानों पर ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।

#### पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (17-05-2026 तक): कल, मध्य भारत और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों में, गुजरात राज्य, राजस्थान और उससे सटे हरियाणा के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40-45°C के बीच रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिणी केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में तापमान 32-40°C रहा। **बांदा (उत्तर प्रदेश) में उच्चतम अधिकतम तापमान 46.4°C दर्ज किया गया।**
- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (17-05-2026 तक) पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1 से 6°C) रहा; बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) है; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और मराठवाड़ा के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति है; पश्चिमी राजस्थान के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) है; हरियाणा, चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, कोंकण और गोवा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति है; असम और मेघालय, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और केरल और माहे के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति है; और देश के शेष भागों में तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) है।
- ❖ 18-05-2026 तक रात का तापमान/न्यूनतम तापमान राजस्थान के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) था, राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास था।

#### मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तरी ईरान और आसपास के क्षेत्रों पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्रोभ बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तरपूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पश्चिम मध्य प्रदेश से दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण लक्षद्वीप क्षेत्र से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से लेकर दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर स्थित उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण तक एक गर्त फैला हुआ है।

## उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

### दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 20 से 22 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; 18 मई को आंतरिक कर्नाटक में भी बारिश होगी; 18 से 22 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में भी बारिश, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; 18 और 19 मई को तटीय कर्नाटक में भी बारिश होगी; 19 मई को आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में भी बारिश होगी; 18 से 20 मई के दौरान तेलंगाना में भी बारिश होगी; 20 से 22 मई के दौरान तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भी बारिश, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है। 18 मई को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में बारिश की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 18 और 19 मई को, केरल और माहे में 19 मई को, लक्षद्वीप में 18, 19, 23 और 24 मई को, तटीय कर्नाटक और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 18 मई को भी छिटपुट भारी बारिश की संभावना है; साथ ही केरल और माहे में 18 मई को छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 18 मई को आंतरिक कर्नाटक और तटीय कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।

### पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 18 तारीख को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। 18 तारीख को असम और मेघालय में भी गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 18, 19 और 22 से 24 मई के दौरान गरज और बिजली गिरने की संभावना है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 19 से 22 मई के दौरान बारिश हो सकती है।
- ❖ 18 और 22 मई को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। असम और मेघालय में 18, 21 और 22 तारीख को, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 18 और 19 तारीख को और 22 से 24 तारीख के दौरान वर्षा होगी, साथ ही अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 23 और 24 तारीख को और त्रिपुरा में 18 मई को छिटपुट रूप से बहुत भारी वर्षा होगी।

### पूर्वी भारत:

- ❖ 19 से 24 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; 18 और 20 से 23 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 18, 21 और 22 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 18 और 22 से 24 मई के दौरान बिहार में; 18, 19 और 22 से 24 मई के दौरान ओडिशा में; और 19 और 24 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 19 और 20 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, 19-21 मई को बिहार, 18 और 20 मई को झारखंड और 20 और 21 मई को ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ इस सप्ताह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 21, 23 और 24 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 22 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना है।

## उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 19 से 22 मई के दौरान और उत्तराखंड में 20 से 22 मई के दौरान छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 21 और 22 मई को गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 18 से 24 मई के दौरान तेज सतही हवाएं (20-30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।

## मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश और विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 18 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

## पश्चिमी भारत:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा में 18 से 20 मई के दौरान; मराठवाड़ा में 18 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

## अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 18 से 24 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में 18 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और 19 से 24 मई के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 21 मई तक अधिकतम तापमान में 3-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 21 से 24 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 24 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।

## ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गर्म रात्रि परिस्थितियाँ की चेतावनी:

- ❖ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 18 से 24 मई के दौरान छिटपुट लू चलने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र में 18 से 24 मई के दौरान; मध्य प्रदेश में 18 से 23 मई के दौरान; विदर्भ में 18 से 23 मई के दौरान; छत्तीसगढ़; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 20 से 24 मई के दौरान; बिहार में 18 और 19 मई के दौरान; मराठवाड़ा में 18 और 19 मई के दौरान; तेलंगाना में 19 से 21 मई के दौरान लू चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 मई को कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है और 19 से 24 मई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रहेगी।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 18 मई को लू चलने की संभावना है, वहीं 19 और 20 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में तथा 21 और 24 मई को कुछ अलग-अलग इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रहेगी।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश और विदर्भ में 18 और 19 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 18 से 21 मई तक और पूर्वी राजस्थान में 18 से 20 मई तक कुछ अलग-अलग इलाकों में रातें गर्म रहने की संभावना है।

## मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 18 मई से 23 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 18 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आस-पास के हिस्से, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग जो पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे हैं; 19 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम के कई भाग और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग; 20 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम के कई भाग और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग; 21 और 22 मई को कोमोरिन क्षेत्र, मालदीव क्षेत्र से सटे क्षेत्र, मन्नार की खाड़ी से सटे क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम के कुछ भाग और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के आस-पास के भाग; 18 से 23 मई के दौरान अंडमान सागर पर न जाएं।
- ❖ अरब सागर: 18 और 19 मई को केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ लक्षद्वीप क्षेत्र और कोमोरिन सागर के निकटवर्ती क्षेत्रों में; 18 से 23 मई के दौरान सोमालिया के तटों के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के निकटवर्ती हिस्सों में न जाएं।

**दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 18 से 21 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: झलॉंग (20)
- ❖ असम और मेघालय: रेसुबेलपारा एडब्ल्यूएस (12)
- ❖ तमिलनाडु और पुडुचेरी: थंगम्मपाट्टी (11)
- ❖ केरल: कोझिकोड 10, कन्नूर, चेरथला (अलाप्पुझा जिला), क्विलांडी (कोझिकोड जिला) और अरलम एडब्ल्यूएस (कन्नूर जिला) 9 प्रत्येक, पेरुम्बावुर (एर्नाकुलम जिला) और अंगदिपुरम (मलप्पुरम जिला) 8 प्रत्येक, अलुवा (एर्नाकुलम जिला) और थालास्सेरी (कन्नूर जिला) प्रत्येक 7
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: लेम्बुचेरा (पश्चिम) (8)
- ❖ कोंकण: क्यूपेम (8)
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: सेप्पा (7)
- ❖ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: गडग पबो ऑब्सि (जिला गडग) 8

**कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: पुंडीबारी 139, कूचबिहार 47
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: कारबुकगोमती 135, घिलातालीखोवाई 94, नलकाटाधलाई 91
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 80
- ❖ ओडिशा: मयूरभंज 68
- ❖ असम और मेघालय: धुबरी 59
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जीबी नगर 57, सरसावा आईएफ 43, शाम्बली 41, हिंडन आईएफ 41, बुलन्दशहर 37, बरेली आईएफ 37
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 50, बारामती पुणे 43, कलवान नासिक 41
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेजअहमद 50
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ 46, वाराणसी 39, अयोध्या 39 प्रत्येक, रायबरेली 37 और अमेठी 37, हरदोई 33
- ❖ हरियाणा: करनाल 46, हिसार 44, जिंद 43

- ❖ पंजाब: फरीदकोट 44, संगरूर 43
- ❖ सौराष्ट्रकच्छ: कच्छ 44
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: नीमच 43
- ❖ मराठवाड़ा: धाराशिव 43, अंबेजोगाई बीड 41,
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: वेदसंदुर डिंडीगुल 43, तिरुचेंदुर थूथुकुडी 48, इरोड 41
- ❖ बिहार: अरवल 41
- ❖ उत्तराखंड: जौलीग्रंट 39
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सीधी 39, शडोल 31
- ❖ कोंकण और गोवा: देवगढ़ सिंधुदुर्ग 39, कर्जत रायगढ़ 37
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख: चट्टा\_अम्फु 37
- ❖ छत्तीसगढ़: धमतरी 31, बलरामपुर 31
- ❖ विदर्भ: बुलढाणा 30

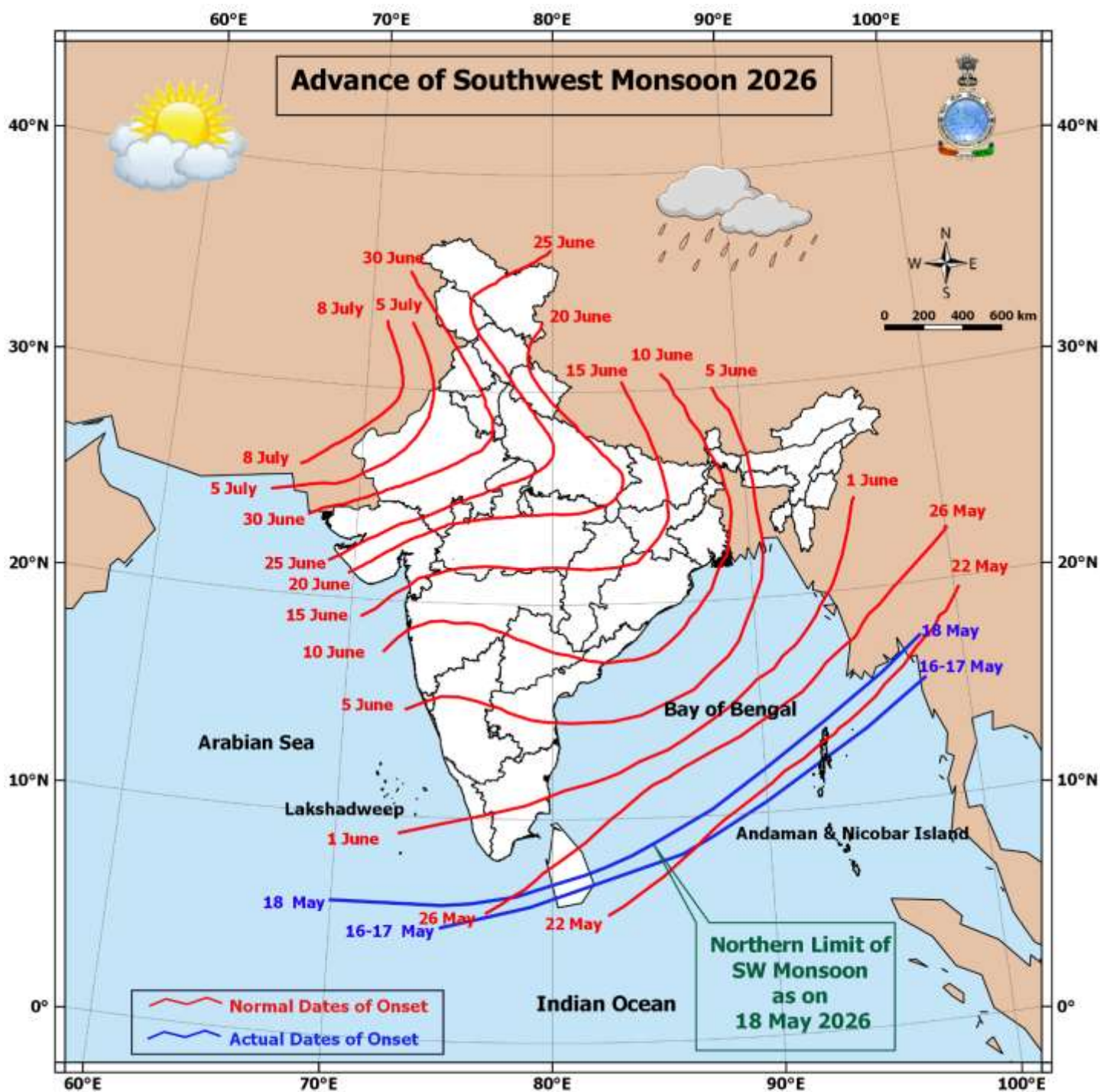
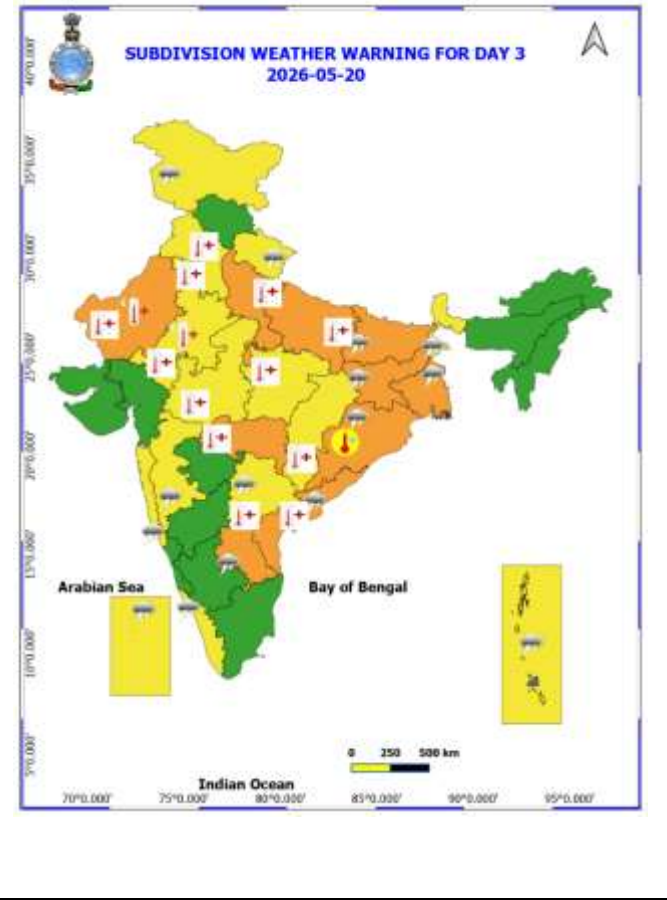
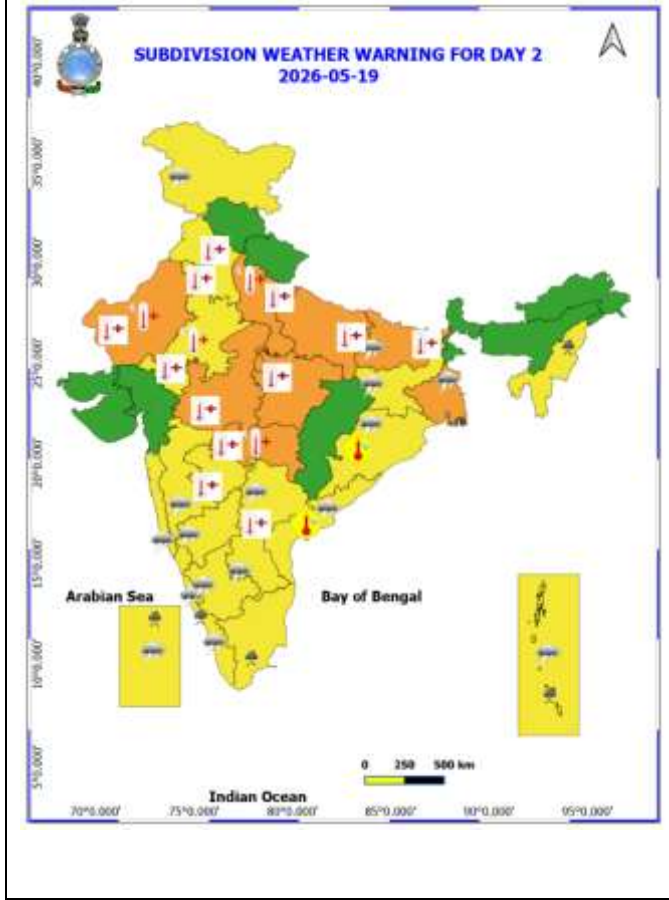
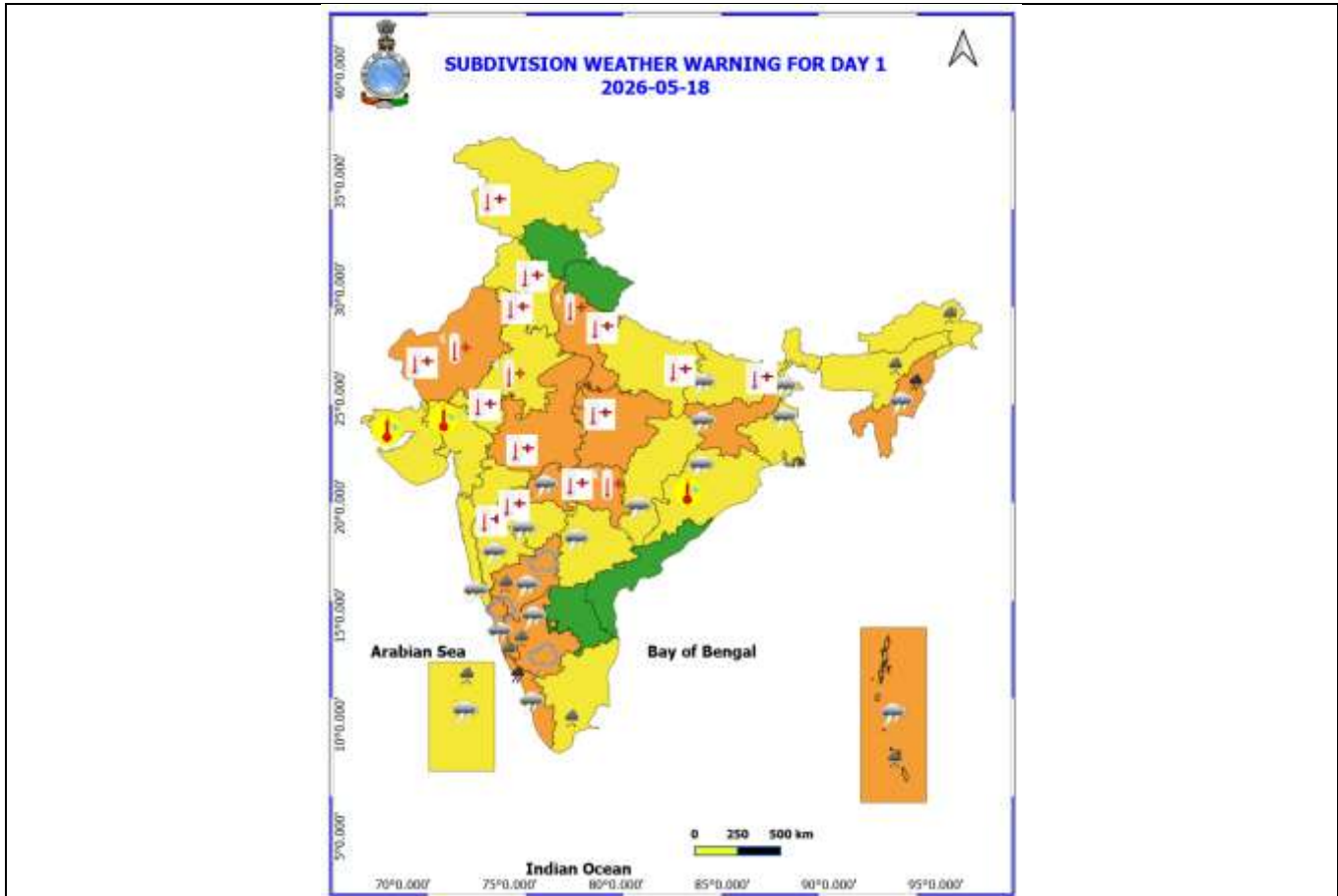
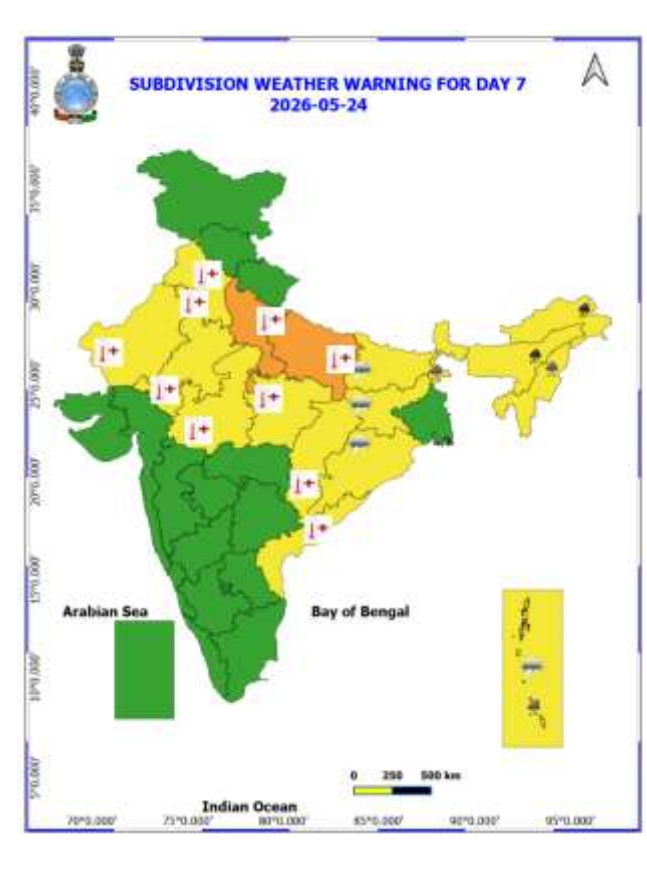
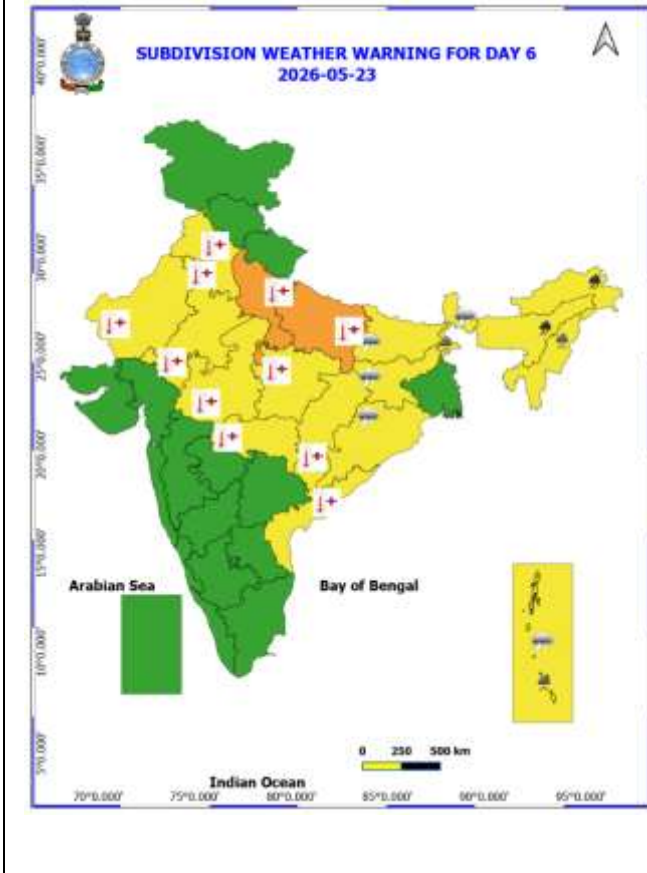
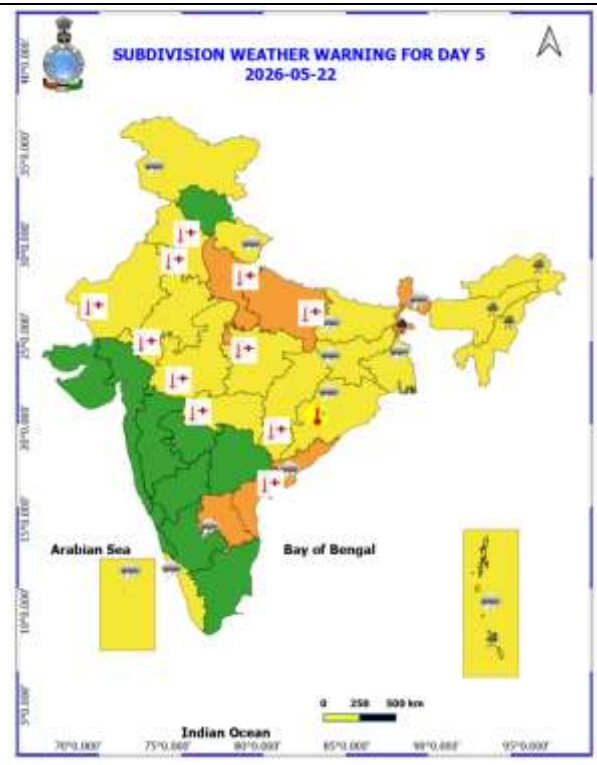
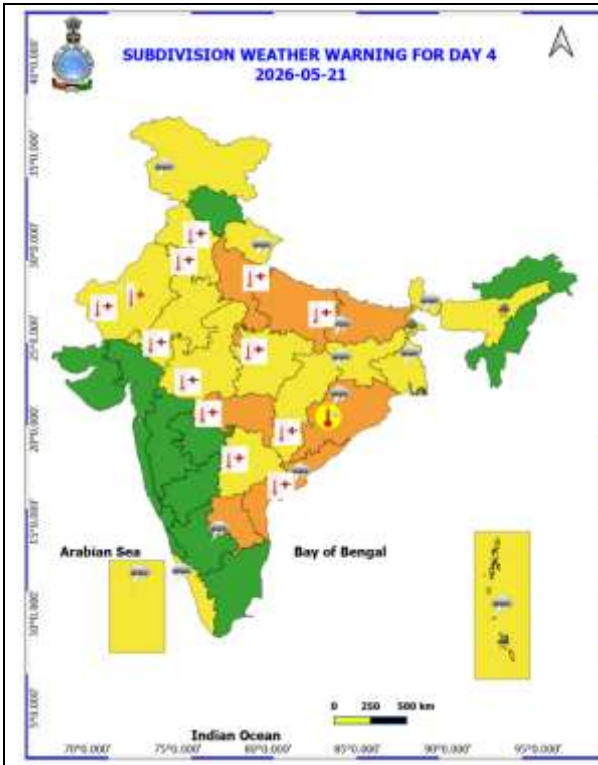


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- May	19- May	20- May	21- May	22- May	23- May	24- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

18 मई से 21 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42-43°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-27°C की सीमा में रहा। दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) है। दिल्ली के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान ज्यादातर साफ़ रहा और सतह पर हवा की गति 20-30 kmph तक रही, जो कभी-कभी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 45 kmph तक पहुँच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान ज्यादातर साफ़ रहने और सतह पर हवा की गति पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

18.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। दिन के दौरान सतह पर तेज़ हवाएँ लगातार चलती रहेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफ़ी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा की मुख्य दिशा पश्चिम रहने की संभावना है और हवा की गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 25 kmph तक हो जाएगी।

19.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (हीट वेव) की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर तेज़ हवाएँ लगातार चलती रहेंगी, जिनकी गति 15-25 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 35 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफ़ी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय भी हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 kmph तक ही रहेगी। शाम और रात के समय भी हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 kmph तक ही रहेगी।

20.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने की स्थिति रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफ़ी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति पश्चिम दिशा से 15 kmph तक ही रहेगी।

21.05.2026: आसमान ज्यादातर साफ़ रहेगा। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक रहेगी और कभी-कभी झोंकों के साथ 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42°C से 44°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 15 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से बढ़कर 20 kmph तक हो जाएगी।

दिल्ली में दिन का तापमान सामान्य से ज्यादा होने के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय

- तापमान मध्यम रहेगा; गर्मी आम लोगों के लिए सहने लायक है, लेकिन कमज़ोर लोगों (जैसे, शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए यह सेहत से जुड़ी एक मध्यम चिंता का विषय हो सकता है।
- गर्मी के सीधे संपर्क में आने से बचें; हल्के व ढीले सूती कपड़े पहनें, और अपना सिर ढककर रखें—इसके लिए आप किसी कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, और जितनी बार हो सके पिएँ—भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- अपने घरों और गाड़ियों में आग बुझाने वाले यंत्र (Fire Extinguishers) ज़रूर रखें।

### छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 मई को आंतरिक कर्नाटक और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।

#### संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

#### सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

### भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 18 और 22 तारीख को, असम और मेघालय में 18, 21 और 22 तारीख को, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 18 और 19 तारीख को और 22 से 24 तारीख के दौरान, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 18 और 19 तारीख को, केरल और माहे में 19 तारीख को, लक्षद्वीप में 18, 19, 23 और 24 तारीख को, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 18 तारीख को और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सप्ताह के दौरान छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21, 23 और 24 मई को भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 23 और 24 मई को, त्रिपुरा में 18 मई को, केरल और माहे में 18 मई को और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होगी।

## संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

## सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

## ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 18 से 24 मई के दौरान छिटपुट लू चलने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र में 18 से 24 मई के दौरान; मध्य प्रदेश में 18 से 23 मई के दौरान; विदर्भ में 18 से 23 मई के दौरान; छत्तीसगढ़; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 20 से 24 मई के दौरान; बिहार में 18 और 19 मई के दौरान; मराठवाड़ा में 18 और 19 मई के दौरान; तेलंगाना में 19 से 21 मई के दौरान लू चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 मई को कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है और 19 से 24 मई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रहेगी।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 18 मई को लू चलने की संभावना है, वहीं 19 और 20 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में तथा 21 और 24 मई को कुछ अलग-अलग इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रहेगी।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश और विदर्भ में 18 और 19 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 18 से 21 मई तक और पूर्वी राजस्थान में 18 से 20 मई तक कुछ अलग-अलग इलाकों में रातें गर्म रहने की संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 18 से 22 मई के दौरान, गुजरात क्षेत्र में 18 मई को, और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 19 मई को कुछ इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

## चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- त्रिपुरा में, पके हुए बोरो चावल की कटाई को टाल दें और पहले से काटे गए चावल को सुरक्षित और सूखी जगह पर भंडारण के लिए रख दें।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- लक्षद्वीप, सिंचाई, अंतरसांस्कृतिक संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित करें। जलभराव को रोकने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

### उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
- हरियाणा में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- राजस्थान में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- मध्य प्रदेश में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों

के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मलच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।

- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **जम्मू और कश्मीर** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें; फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।

### तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तटीय राज्यों (विशेषकर तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप) के मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

### किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

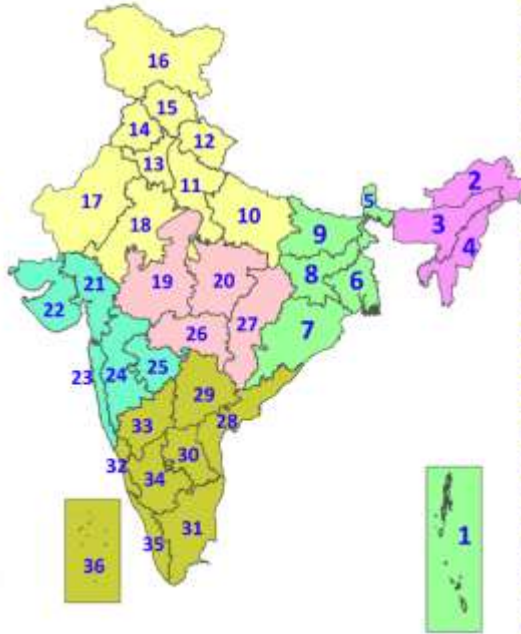
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

### SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- |                      |                      |              |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog                  | Heavy Snow           | Cold Wave    |
| Heavy Rain           | Dust Storm           | Cold Day     |
| Very Heavy Rain      | Heat Wave            | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night           |              |
| Thunder & Lightning  | Hot Day              |              |
| Hailstorm            | Hot & Humid          |              |
| Dust Raising Winds   | Strong Surface Winds |              |

#### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

#### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

### DEFINITION/CRITERIA

#### Rain/ Snow \*

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

#### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\geq 30^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^{\circ}\text{C}$ .

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $>4.5^{\circ}\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^{\circ}\text{C}$

#### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^{\circ}\text{C}$

Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $>6.4^{\circ}\text{C}$ .

#### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^{\circ}\text{C}$

#### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

#### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

#### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

#### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

#### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^{\circ}\text{C}$  ( over Plains)

#### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed  $>87$  kmph

#### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed  $>117$  kmph ( $>63$  knots) & Wave height  $>14$  metre

#### Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed  $>220$  kmph ( $>119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)